जयपुर एयरपोर्ट पर नए स्टेट टर्मिनल भवन का भूमि पूजन संपन्न हुआ

इस परियोजना में एयरक्राफ्ट व हैलीकॉप्टर के लिए हैंगर व टारमेक भी बनेगा- भजनलाल

जयपुर, 12 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य हो रहा है। केन्द्र और राज्य सरकार के मध्य बेहतर समन्वय ने परिवहन के क्षेत्र में विकास कार्यों को नई दिशा दी है। प्रदेश में हवाई,

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में हवाई, रेल और सड़कों की कनेक्टिविटी के लिए तेजी से विकास कार्य हो रहा है। इससे उद्योग व व्यापार को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।**



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को जयपुर एयरपोर्ट पर नवीन स्टेट टर्मिनल भवन का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

रेल एवं सडकों के तेज विकास से आमजन को बेहतर कनेक्टिविटी मिली है।

मुख्यमंत्री गुरुवार को जयपुर एयरपोर्ट पर नवीन स्टेट टर्मिनल भवन के भूमि पूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रदेश के आर्थिक और सामाजिक विकास में परिवहन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसी कड़ी में नवीन स्टेट टर्मिनल भवन का भूमि पूजन हवाई सुविधाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण पहल है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि नवीन स्टेट टर्मिनल भवन परियोजना के लिए 52 करोड़ 35 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। परियोजना के पहले चरण में 19 करोड़ 62 लाख रुपये की लागत से स्टेट टर्मिनल भवन का निर्माण किया जा रहा है। इस भवन में कार्यालय के साथ ही, दो वीआईपी लाउंज, कॉन्फ्रेंस हॉल, मीटिंग हॉल, 10 विश्राम कक्ष, ट्रेनिंग कक्ष, कैफे और सुरक्षा जांच क्षेत्र जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही, इस भवन में आधुनिकता के साथ राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत की झलक भी दिखेगी। परियोजना के दूसरे चरण में एयरक्राफ्ट और हेलीकॉप्टर की पार्किंग के लिए हैंगर तथा टारमेक का निर्माण किया जाएगा। इन परियोजना के लिए ए.ए.आई. ने राज्य सरकार को 12 हजार 778 वर्गमीटर भूमि आवंटित की है।

उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों को बेहतर एयर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कोटा, किशनगढ, बाड़मेर एवं बीकानेर में हवाई संपर्क विस्तार पर कार्य किया जा रहा है। झालावाड़, सीकर, झुंझुनूं एवं श्रीगंगानगर में एफटीओ की स्थापना के लिए भूमि आवंटन और उदयपुर एयरपोर्ट के विस्तार के लिए 145 एकड़ भूमि उपलब्ध करवायी जा रही है।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने शिला का पूजन कर उसे नींव में स्थापित किया तथा हवन में पूर्णाहुति दी। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी में नवीन स्टेट टर्मिनल भवन के प्रतीकात्मक मॉडल, संपूर्ण साइट प्लान, ग्राउंड फ्लोर व फर्स्ट फ्लोर के लेआउट प्लान का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, सांसद मदन राठौड़, मंजू शर्मा, विधायक डॉ. कैलाश वर्मा, गोपाल शर्मा, बालमुकुन्दाचार्य, महापौर सुनील कोठारी, उपमहापौर सरोज कंवर, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव नागरिक उड्डयन नवीन जैन सहित, जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

'आधुनिक युद्ध में दुश्मन को चौंकाने की क्षमता जरूरी'

नई दिल्ली, 12 नवंबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को सेना से आधुनिक युद्ध से उत्पन्न पारंपरिक और उभरते खतरों से निपटने के लिए आपरेशनल तैयारी बनाए रखने के लिए, 'चौंकाने वाले तत्व' के आक्रामक एवं रक्षात्मक, दोनों

- **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वायुसेना कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा।**

पहलुओं की मजबूती और उन्हें कायम रखने का आव्हान किया।

दिल्ली में वायुसेना कमांडरों के सम्मेलन में राजनाथ ने खुफिया व निगरानी क्षमताओं को लगातार मजबूत करने, प्रणालियों के बीच तालमेल बढ़ाने और संभावित खतरों के सामने आने से पहले उन्हें पहचानने की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, हमारी सेनाओं को ऐसी क्षमताएं और तरीके विकसित करने चाहिए, जिससे शत्रु को प्रतिक्रिया देने या संभलने का मौका ही न मिले।

साथ ही, यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि दुश्मन की किसी अप्रत्याशित चाल से हम कभी हैरान न हों। चौंकाने की कार्रवाई पारंपरिक और इलेक्ट्रानिक, दोनों तरह की हो सकती है।

कुल्हाड़ी से हत्या के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

पिता की हत्या का बदला लेने के लिए बी टैक पास अनीश ने यह वारदात की, कैंपर बरामद

- **पुलिस जाँच के अनुसार, 2019 में जोबनेर में शराब के ठेके के विवाद में विजय बालिया व उसके साथियों ने अनीश के पिता की हत्या की थी। तभी से अनीश बदला लेने का मौका तलाश रहा था।**

जयपुर, 12 नवम्बर। राजधानी जयपुर के करधनी थाना इलाके में बुधवार रात जोबनेर के हिस्ट्रीशीटर विजय चौधरी उर्फ विजय बाजिया (25) की सरे-राह कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या करने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने वारदात के मुख्य आरोपी अनीश गोलिया उर्फ जग्गू (21) सहित चार युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल की गई कैंपर गाड़ी भी जब्त कर ली गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपी ने वर्ष 2019 में अपने पिता कैलाश गोलिया की हत्या का बदला लेने के लिए साथियों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी। इसके लिए आरोपियों ने 7007 नाम से गैंग बनाई थी। पुलिस अब इस वारदात में अन्य लोगों की भूमिका और गैंग-वार के पहलू से भी जांच कर रही है।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में अनीश गोलिया उर्फ जग्गू, कमलेश गोलिया उर्फ कमल उर्फ जोरू (23), युवराज चौधरी (23) और दिनेश चौधरी उर्फ दीनू (23) निवासी जोबनेर शामिल हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि वर्ष 2019 में जोबनेर इलाके में शराब के ठेके के विवाद को लेकर विजय बाजिया और उसके साथियों ने अनीश के पिता कैलाश गोलिया की हत्या कर दी थी। उस समय अनीश की उम्र करीब 14 वर्ष थी। पिता की हत्या के बाद से ही वह विजय से रंजिश रखने लगा था और बदला लेने का मौका तलाश रहा था।

पुलिस के अनुसार, बुधवार रात विजय जोबनेर से जयपुर की तरफ आ रहा था। आरोपियों ने कैंपर से उसका पीछा किया। कैंपर को पीछे लगा देखकर विजय ने अपनी फॉर्च्यूनर को रावण गेट की तरफ मोड़ दिया। इसके बाद जगदंबा नगर के पास आरोपियों ने कैंपर से उसकी गाड़ी को टक्कर मारकर रोक दिया। गाड़ी खराब होने के बाद विजय बाहर निकलकर भागने लगा, तभी हमलावरों ने उस पर कुल्हाड़ी और लाठी-डंडों से ताबड़तोड़ वार किए। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे।

गुरुवार सुबह करीब चार बजे पुलिस को आरोपियों के करधनी इलाके में ही छिपे होने की सूचना मिली। पुलिस टीम ने उनकी गाड़ी को ट्रेस कर पीछा किया और चारों को दबोच लिया। वारदात में इस्तेमाल कैंपर भी जब्त कर ली गई।

डीसीपी पश्चिम प्रशांत किरण ने वारदात के दौरान छत से वीडियो बनाने वाले व्यक्ति की सराहना की। उन्होंने बताया कि संबंधित व्यक्ति ने घटनाक्रम का वीडियो बनाने के साथ ही, बिना किसी परिचय के हमलावरों को रोकने और वहां से हटाने का प्रयास भी किया। इस वीडियो को जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में देखा जा रहा है।

किश्तवाड़ से लापता दो विशेष पुलिस अधिकारियों के शव मिले

दोनों अधिकारी बुधवार को अपने कैंप से सेना की पोस्ट की ओर जाते समय लापता हो गये थे

- **सुरक्षा एजेंसियों के व्यापक तलाशी अभियान के दौरान दोनों अधिकारियों के गोलियों से छलनी हुए शव बरामद हुए। उनके सर्विस हथियार मौके से नहीं मिले।**

श्रीनगर, 12 नवंबर। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में बुधवार से लापता दो विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) के शव मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। दोनों के शव गोलियों से छलनी हालत में बरामद किए गए हैं।

खास बात यह है कि उनके सर्विस हथियार मौके से नहीं मिले हैं। इससे घटना में आतंकियों की संलिप्तता की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, अधिकारियों ने अभी किसी आतंकी हमले की पुष्टि नहीं की है।

समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, मृतकों की पहचान 57 वर्षीय बाबी चंद और 45 वर्षीय रशपाल कुमार के रूप में हुई है। दोनों स्थानीय पुलिस के स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) में तैनात थे। उनके लापता होने के बाद से ही पुलिस और सेना ने बड़े स्तर पर तलाशी अभियान चलाया था।

अधिकारियों के मुताबिक, बाबी चंद और रशपाल कुमार किश्तवाड़ के दच्छन क्षेत्र के कियार गांव में स्थानीय पुलिस के एसओजी के साथ तैनात थे। बुधवार को दोनों अपने कैंप से धरना-मरवाह स्थित सेना की एक पोस्ट की ओर जा रहे थे। इसी दौरान वे लापता हो गए।

शुरुआत में दोनों के मोबाइल फोन पर संपर्क हो रहा था, लेकिन कुछ समय बाद उनके फोन बंद हो गए। इससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई और उनकी तलाश के लिए व्यापक अभियान शुरू किया गया। तलाशी के दौरान, अतिरिक्त पुलिस और सेना के जवानों को भी तैनात किया गया। कई टीमों को जंगलों और दुर्गम पहाड़ी इलाकों में भेजा गया।

दोनों एसपीओ के शव मिलने के बाद, उनके सर्विस हथियार गायब होने का मामला जांच का अहम हिस्सा बन गया है। अधिकारियों ने बताया कि हथियार नहीं मिलने से आतंकियों की संलिप्तता की आशंका पैदा हुई है। हालांकि, उन्होंने फिलहाल इस घटना को आतंकी गतिविधि से जोड़ने में सावधानी बरतने को कहा है। उनका कहना है कि जांच पूरी होने और सभी तथ्य सामने आने से पहले किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

केजरीवाल को जान से मारने की धमकी देकर सात करोड़ रु. मांगे

केजरीवाल को जान से मारने की धमकी देकर सात करोड़ रु. मांगे 24-खुद को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सदस्य बताते हुए आप विधायक को फोन पर यह धमकी दी गई

मोहाली, 12 नवंबर। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और उनकी बेटी हर्षिता को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। धमकी देने वाले व्यक्ति ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सदस्य बताते हुए सात करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है। इस संबंध में दिल्ली के तिलक नगर से आम आदमी पार्टी के विधायक जरनैल सिंह की शिकायत पर मोहाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विधायक जरनैल सिंह ने मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दी शिकायत में बताया कि छह नवंबर को उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया था। इसके अलावा, उन्हें व्हाट्सएप के माध्यम से भी धमकी भरा संदेश भेजा गया। धमकी देने वाले व्यक्ति ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा बताया। विधायक की शिकायत के अनुसार, फोन करने वाले व्यक्ति ने अरविंद केजरीवाल से सात करोड़ रुपये देने की मांग की। उसने धमकी दी

- **आम आदमी पार्टी के दिल्ली के विधायक जरनैल सिंह की शिकायत पर मोहाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु की।**

कि यदि उसकी मांग पूरी नहीं की गई, तो वह अरविंद केजरीवाल और उनकी बेटी हर्षिता की हत्या कर देगा।

विधायक जरनैल सिंह ने शिकायत में कहा कि अरविंद केजरीवाल देश के प्रमुख राजनीतिक नेताओं में शामिल हैं। ऐसे में उन्हें और उनके परिवार को मिली धमकी गंभीर सुरक्षा चिंता का विषय है। उन्होंने पुलिस से मामले की व्यापक जाँच करने और धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान कर उसे गिरफ्तार करने की मांग की है।

विधायक जरनैल सिंह की शिकायत के आधार पर मोहाली पुलिस ने साइबर अपराध थाने में भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान और उसके लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से वास्तविक संबंधों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

पीएसएलवी के तीसरे चरण का ग्राउंड टैस्ट सफल

नई दिल्ली, 12 नवंबर। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) के तीसरे चरण का ग्राउंड टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह परीक्षण 12 नवंबर 2026 को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र में किया गया।

- **पीएसएलवी के पिछले दो मिशनों में तीसरे चरण से जुड़ी गड़बड़ियां सामने आई थीं। जिसके बाद इसरो ने इसमें जरूरी बदलाव किए।**

पीएसएलवी के पिछले दो मिशनों में तीसरे चरण से जुड़ी गड़बड़ियां सामने आई थीं। इसके बाद इसरो ने इस चरण के डिजाइन, कच्चे माल की जांच, असेंबली और गुणवत्ता परीक्षण की पूरी प्रक्रिया की दोबारा समीक्षा की। अब इसमें जरूरी बदलाव किए गए हैं। यह सफलता पीएसएलवी की विश्वसनीयता बढ़ाने की दिशा में अहम कदम है।

इसरो ने 12 नवंबर को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र स्थित स्टैटिक टेस्ट फैसिलिटी में पीएसएलवी के तीसरे चरण, यानी पीएस3 का ग्राउंड स्टैटिक टेस्ट किया। इस परीक्षण में तीसरे चरण के सॉलिड मोटर सिस्टम की जांच की गई।

'अभिषेक बनर्जी की सुरक्षा के मामले में समीक्षा क्यों नहीं हुई'

- **कलकत्ता हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को धमकियां मिलने के बाद भी समीक्षा नहीं करने पर फटकार लगाई**

कोलकाता, 12 नवंबर। तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी की जेड प्लस सुरक्षा से जुड़े मामले में गुरुवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने सवाल किया कि अभिषेक की सुरक्षा से जुड़े मामले की अब तक समीक्षा क्यों नहीं की गई? इसके जवाब में राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि इसी नवंबर महीने में सुरक्षा मामले की समीक्षा की जाएगी।

गुरुवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान अभिषेक बनर्जी के वकील ने दलील दी कि जिस तरह से हमले हो रहे हैं, उसे देखते हुए मौजूदा सुरक्षाकर्मी (पीएसओ) उन्हें बचाने में सक्षम नहीं होंगे। राज्य सरकार हमलों की बात से अनजान नहीं है, इसलिए उन्हें कड़ी सुरक्षा की जरूरत है। इस पर अदालत ने पूछा कि अभिषेक की सुरक्षा कब घटाई गई थी? राज्य सरकार ने जवाब दिया कि 12 मई को सुरक्षा घटाई गई थी।

अदालत ने फिर सवाल उठाया कि अभिषेक ने जिन पांच धमकियों का जिक्र किया है, उनकी समीक्षा संयुक्त पुलिस आयुक्त (सुरक्षा) ने क्यों नहीं की? राज्य द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट में इसका जिक्र न होने पर न्यायमूर्ति कृष्णा राव ने राज्य के महाधिवक्ता को कड़ी फटकार लगाई।

अदालत ने राज्य सरकार को स्पष्ट करते हुए कहा कि अदालत यह तय नहीं करेगी कि किसे कितनी सुरक्षा दी जानी चाहिए। लेकिन याचिकाकर्ता का कहना है कि उन पर हमला हुआ है और उसकी समीक्षा नहीं की गई है, अदालत बस इसका कारण जानना चाहती है। इस पर राज्य सरकार ने कहा कि नवंबर के अंत में अभिषेक की सुरक्षा की समीक्षा की जाएगी, तब इस पहलू को भी देखा जाएगा।

'बेटा जन्म ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फैसले के अनुसार, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 8 के अनुसार, पोते को अपने पिता के हिस्से वाली संपत्ति में जन्म के आधार पर कोई अधिकार नहीं मिलता। इसलिए पोता उस संपत्ति में जन्म से अधिकार रखने वाला "सह-उत्तराधिकारी" भी नहीं बन सकता।

आप पार्टी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

काटी गई हैं, जबकि इस लिस्ट में किसी भी मंत्री की टिकट पर फैसला नहीं हो पाया है। इसके अलावा, दो सांसदों गुरमीत सिंह मीत हेयर और डॉ. राज कुमार चब्बेवाल को टिकट दिया गया है।

ओवैसी-आज़ाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शामिल है। यह सपा की सावधानीपूर्वक बनाई गई राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है।

इसके जरिए, पार्टी अपने पारंपरिक मुस्लिम और पिछड़े वर्ग के मतदाताओं का समर्थन बनाए रखते हुए, हिंदू मतदाताओं तक भी पहुंच बनाने का प्रयास कर रही है, ताकि भाजपा के अल्पसंख्यक तुष्टीकरण के आरोपों की धार को कम किया जा सके।

चार ट्रिलियन डॉलर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों और वाणिज्य विभाग को धोखा देने के लिए एलिस हुआंग ने अपनी पुरानी कंपनी को बदलकर सिंगापुर में मेगास्पीड के रूप में स्थापित किया था। हालांकि यह एक छोटी और कम जानी-पहचानी कंपनी थी, लेकिन जल्द ही इसने बड़ी मात्रा में बेहद महंगे और महत्वपूर्ण चिप्स खरीदने शुरू कर दिए।

मेगास्पीड ने चार अरब डॉलर की कीमत के एनवीडिया चिप्स खरीदे और उन्हें चीन की विभिन्न संस्थाओं को सप्लाई कर दिया। इनमें एक ऐसा चीनी विश्वविद्यालय भी शामिल था, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक के सैन्य इस्तेमाल में माहिर है। इन चिप्स का इस्तेमाल चीनी ए.आई. टूल्स और मॉडल विकसित करने के लिए किया गया, जिससे वो अमेरिका को उसी के क्षेत्र में मात दी जा सके।

स्वाभाविक रूप से सवाल उठे कि इतनी छोटी कंपनी को इतनी बड़ी फंडिंग कहाँ से मिल रही है। जांच में पता चला कि चीन की इंटरनेट क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अलीबाबा ने मेगास्पीड को यह खरीददारी करने के लिए धन मुहैया कराया था। लगभग एक साल पहले अमेरिकी सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों ने एनवीडिया और इस कम जानी-पहचानी कंपनी के बीच संबंधों के बारे में जानकारी दी थी।

यह सवाल भी उठा कि जब एनवीडिया के इन चिप्स के खरीदारों की लंबी कतारें थीं और उनकी बिक्री पर कड़े प्रतिबंध लगे हुए थे, तो इतनी छोटी कंपनी इतनी बड़ी मात्रा में इन चिप्स को कैसे हासिल कर सकी?

अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियां और वाणिज्य विभाग के अधिकारी इन उल्लंघनों को लेकर निश्चित रूप से चिंतित हैं। साफ है कि ऐसे अत्यंत संवेदनशील उपकरणों की बिक्री पर लगाए गए सभी प्रतिबंधों का उल्लंघन किया गया और उन्हें दरकिनार करके ये चिप्स चीन के हाथों तक पहुंचा दिए गए।

कम से कम एक मामले में, जेनसन ने खुद मेगास्पीड और चीन संस्थाओं को सप्लाई के लिए पाबंदियाँ हटाने की सिफारिश की थी। अमेरिकी जांच एजेंसियां अब इस निष्कर्ष की ओर बढ़ रही हैं कि जेनसन हुआंग का यह मामला केवल निजी संबंधों का मामला नहीं, बल्कि सुरक्षा में गंभीर चूक था, जिसके राष्ट्रीय सुरक्षा पर कहीं अधिक व्यापक प्रभाव पड़ सकते हैं।

छठ के बाद संसद का विशेष सत्र बुलाने की तैयारी

सरकारी सूत्रों का दावा है कि संविधान संशोधन विधेयक के लिये दो-तिहाई बहुमत जुटा लिया गया है

- **विशेष सत्र में, संसद व विधानसभाओं में एक तिहाई महिला आरक्षण तथा परिसीमन के द्वारा पचास प्रतिशत सीटें बढ़ाने का विधेयक सरकार पास कराना चाहती है।**

नई दिल्ली, 12 नवंबर। संसद और विधानसभाओं में एक तिहाई महिला आरक्षण और परिसीमन के जरिए पचास फीसद सीटें बढ़ाने का रास्ता साफ करने के लिए सरकार जल्द ही संसद का विशेष सत्र बुला सकती है। सरकार के उच्च पदस्थ सूत्रों ने इसके स्पष्ट संकेत दिये।

दावा है कि संविधान संशोधन विधेयक को पास कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटा लिया गया है और माना जा रहा है कि छठ के बाद कभी भी विशेष सत्र आहूत करने की घोषणा हो सकती है। अप्रैल में विशेष सत्र के दौरान, सरकार दो-तिहाई बहुमत जुटाने में विफल रही थी। इस बार सरकार दो तिहाई के जरूरी बहुमत से 17-18 अधिक सांसदों के समर्थन हासिल करने का दावा कर रही है।

दरअसल, संसद के मानसून सत्र का अभी तक सत्रावसान नहीं हुआ है। विशेष सत्र मानसून सत्र का ही हिस्सा होगा। उसके बाद मानसून सत्र का समापन किया जाएगा। दो सत्रों के बीच 15 दिन के अंतर के नियम को देखते हुए शीतकालीन सत्र दिसंबर के दूसरे हफ्ते में बुलाया जा सकता है और क्रिसमसस से पहले उसका समापन हो सकता है। मानसून सत्र का सत्रावसान नहीं होने से विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण और परिसीमन का विधेयक पास कराने की अटकलें लगाई जा रही थीं। लेकिन सामान्य तौर पर नवंबर के तीसरे हफ्ते में शीतकालीन सत्र शुरू होने के कारण इन विधेयकों को शीतकालीन सत्र में पारित कराने की भी बात की जा रही थी। लेकिन गुरुवार को सरकार के वरिष्ठ नेता ने साफ कर दिया कि मानसून सत्र में ही विधेयक पास कराने की तैयारी है। 16 नवंबर को छठ पर्व पूरा हो जाने और बुधवार तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विदेश दौरे से लौटने को देखते हुए उसके बाद किसी भी दिन विशेष सत्र बुलाया जा सकता है।

'साठ दिन में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निर्णय नहीं लिया है। मामले की सुनवाई करते हुए, अदालत ने जेडीए के सक्षम अधिकारी को साठ दिन में आवेदन पर निर्णय करने को कहा है।

'रोज कॉफी पीने से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रभावित होती है। दूसरे शब्दों में, कि आंतें कैसे काम करती हैं।"

यह बात पहले से ही अच्छी तरह साबित हो चुकी है कि सीमित मात्रा में कॉफी पीने से हृदय रोग, डायबिटीज़, डिप्रैशन और कई तरह के कैंसर का खतरा कम होता है। हालांकि नियमित रूप से कॉफी पीने का आंतों की शारीरिक कार्यप्रणाली पर क्या असर पड़ता है, इस बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है।

शोधकर्ताओं ने पाया कि नियमित रूप से कॉफी पीने वालों की छोटी आंत में पीएच का स्तर उन लोगों की तुलना में काफी कम था, जो कम कॉफी पीते थे। उन्होंने यह भी पाया कि अधिक कॉफी पीने का संबंध बड़ी आंत में अधिक संकुचन (कॉन्ट्रैक्शन) होने से है। तो आंतों की कार्यप्रणाली में होने वाले ये बदलाव स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं या नुकसानदायक?

बुची कहती हैं, "आंतों में होने वाले संकुचन पाचन को स्वस्थ रखने, कब्ज से बचाने और आंतों की मांसपेशियों को अच्छी स्थिति में बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।"

शोधकर्ता अभी यह तय नहीं कर पाए हैं कि पीएच का कम स्तर स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है या नुकसानदायक। हालांकि, छोटी आंत में पीएच का स्तर पाचक एंजाइमों की कार्यप्रणाली और भोजन के टूटने (पाचन) की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

शोधकर्ताओं ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस अध्ययन से यह साबित नहीं होता कि ये बदलाव केवल कॉफी पीने की वजह से ही हैं। फिर भी, इस अध्ययन के वरिष्ठ लेखक हेनरिक मुंच रोएगर का मानना है कि कॉफी की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका होने के अच्छे कारण हैं।

वे कहते हैं, "उदाहरण के लिए, हम पहले से ही दूसरे अध्ययनों से जानते हैं कि कॉफी पाचन तंत्र की कई प्रक्रियाओं को प्रभावित कर सकती है। इनमें पेट में एसिड का बनना भी शामिल है। इसलिए यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि हम जो बदलाव देख रहे हैं, वे केवल संयोग नहीं हैं। कई लोग अपने अनुभव के आधार पर भी बताते हैं कि कॉफी उनके पाचन को प्रभावित करती है।"

हेनरिक मुंच रोएगर कोपनहेगन विश्वविद्यालय के पोषण, व्यायाम और खेल विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर और शोध समूह के प्रमुख हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908